ये अव्यक्त इशारे

आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो, अन्तर्मुखी बनो

26-06-2025

जैसे अनेक जन्म अपने देह के स्वरूप की स्मृति नेचुरल रही है वैसे ही अपने असली स्वरूप की स्मृति का अनुभव थोड़ा समय भी नहीं करेंगे क्या? यह पहला पाठ कम्पलीट करो तब अपनी आत्म-अभिमानी स्थिति द्वारा सर्व आत्माओं को साक्षात्कार कराने के निमित्त बनेंगे।

Practise being in the stage of soul consciousness, be introverted

Just as you have had the natural awareness of the form of your body for many births, so, can you not experience the awareness of your original form, even for a short time? Complete this first lesson and you will then become an instrument to grant all souls a vision with your stage of soul consciousness.